

लाला लाजपत राय की जयंती

प्रलिस के लयल:

लाला लाजपत राय, भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन

मेन्स के लयल:

लाला लाजपत राय और भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में उनका योगदान ।

चरचा में क्यों?

हाल ही में प्रधानमंत्री ने लाला लाजपत राय को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि दी ।

- लाला लाजपत राय की जयंती प्रतर्वरष 28 जनवरी को मनाई जाती है ।

If I had the power to influence Indian journals, I would have the following headlines printed in bold letters on the first page: Milk for the infants, Food for the adults and Education for all.



प्रमुख बढु

■ जन्म:

- उनका जन्म 28 जनवरी, 1865 को पंजाब के फरररज़पुर ज़लरर (Ferozepur District) के धुडीके (Dhudike) नामक एक छोटे से गाँव में हुआ था ।

■ परचिय:

- लाला लाजपत राय भारत के महानतम स्वतंत्रता सेनानियों में से एक थे।
- उन्हें 'पंजाब केसरी' (Punjab Kesari) और 'पंजाब का शेर' (Lion of Punjab) नाम से भी जाना जाता था।
- उन्होंने लाहौर के गवर्नमेंट कॉलेज से कानून की पढ़ाई की।
- वे स्वामी दयानंद सरस्वती से प्रभावित होकर लाहौर में आर्य समाज (Arya Samaj) में शामिल हो गए।
- उनका विश्वास था कि हिंदू धर्म के आदर्शवाद, राष्ट्रवाद (Nationalism) के साथ मलिकर धर्मनरिपेक्ष राज्य (Secular State) की स्थापना करेगा।
- बपिनि चंद्र पाल और बाल गंगाधर तिलक के साथ मलिकर उन्होंने चरमपंथी नेताओं की एक तकिड़ी (लाल-बाल-पाल) बनाई।
- वे हिंदू महासभा (Hindu Mahasabha) से भी जुड़े थे।
- उन्होंने छुआछूत के खिलाफ वरिध प्रदर्शति कयि।

■ योगदान:

○ राजनीतिक:

- वे भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस (Indian National Congress- INC) में शामिल हो गए और पंजाब के कई राजनीतिक आंदोलनों में हस्सि लयि।
- राजनीतिक आंदोलनों में हस्सि लेने के कारण उन्हें वर्ष 1907 में बरमा भेज दयि गया थ, लेकिन पर्याप्त सबूतों के अभाव में कुछ महीनों बाद वे वापस लौट आए।
- उन्होंने बंगाल वभिजन का वरिध कयि।
- उन्होंने वर्ष 1917 में अमेरिका में होम रूल लीग ऑफ अमेरिका (Home Rule League of America) की स्थापना की और इसके द्वारा अमेरिका में अंतरराष्ट्रीय समुदाय से भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के लयि नैतिक समर्थन मांगा।
- वह **अखलि भारतीय ट्रेड यूनियन कॉन्ग्रेस** (All India Trade Union Congress) के अध्यक्ष भी रहे।
- उन्होंने वर्ष 1920 में कॉन्ग्रेस के **नागपुर अधविशन** में गांधी जी के असहयोग आंदोलन (Non-Cooperation Movement) का समर्थन कयि।
- उन्होंने **रोलैट एक्ट** (Rowlatt Act) और **जलियांवाला बाग हत्याकांड** (Jallianwala Bagh massacre) का वरिध कयि।
- उन्हें वर्ष 1926 में केंद्रीय वधिानसभा का उप नेता चुना गया।
- वर्ष 1928 में उन्होंने साइमन कमीशन के साथ सहयोग करने से इनकार करते हुए वधिानसभा में एक प्रस्ताव रखा क्योंकि आयोग में कसि भी भारतीय सदस्य को शामिल नहीं कयि गया थ।

○ सामाजिक:

- उन्होंने अकाल पीड़ति लोगों की मदद करने और उन्हें मशिनरयिों के चंगुल से बचाने के लयि वर्ष 1897 में हिंदू राहत आंदोलन (Hindu Relief Movement) शुरु कयि।
- उन्होंने वर्ष 1921 में सर्वेंट्स ऑफ पीपुल सोसाइटी (Servants of People Society) की स्थापना की।

○ साहित्यिक:

- उनके द्वारा लिखति महत्त्वपूर्ण साहित्यिक कृतयिों में यंग इंडिया, इंग्लैंड डेबट टू इंडिया, एवोल्यूशन ऑफ जापान, इंडिया वलि टू फ्रीडम, भगवद्गीता का संदेश, भारत का राजनीतिक भवष्य, भारत में राष्ट्रीय शक्ति का समस्या, डिपिरेसड ग्लासेस और अमेरिका का यात्रा वृतांत शामिल हैं।

○ संस्थागत कार्य:

- उन्होंने हसिार बार काउंसलि, हसिार आर्य समाज, हसिार कॉन्ग्रेस, राष्ट्रीय डीएवी प्रबंध समति जैसे कई संस्थानों एवं संगठनों की स्थापना की।
- वह आर्य गजट के संपादक थे, जसिकी स्थापना उन्होंने की थी।
- वह वर्ष 1894 में पंजाब नेशनल बैंक के सह-संस्थापक थे।

■ मृत्यु:

- 1928 में वह लाहौर में **साइमन कमीशन के खिलाफ एक मौन वरिध का नेतृत्व** कर रहे थे, जब **पुलिस अधीक्षक जेम्स स्कॉट द्वारा उन पर क्रूरतापूर्वक लाठीचार्ज** कयि गया जसिसे लगी चोटों के चलते कुछ सप्ताह बाद ही उनकी मृत्यु हो गई।

स्रोत: पी.आई.बी